

हेतु सम्मन, वापसना पेश हो। पत्रावली व
रत्नकी दिनांक 08/01/22 को पेश हो.

२४/१२

अधिवक्तागण उपस्थित। शेष प्रतिवादी को रत्नकी हेतु सम्मन
रत्नवाना पेश हो, पत्रावली कस्ते रत्नकी दिनांक 08/01/22
को पेश हो. (1)

3/6/22

अधिवक्तागण आस्थित। शेष प्रतिवादी को रत्नकी हेतु सम्मन
रत्नवाना पेश हो, पत्रावली कस्ते रत्नकी दिनांक 12/01/22
को पेश हो. (1)

पत्रावली पेश हुई। श्रेष्ठान महोदय
12/१२ अन्य कार्य में व्यस्त है। पत्रावली
दिनांक २१/१/२२ को पेश हो। (19/1/22)

२१/१२

वादी व वादी अधिवक्ता उपस्थित नहीं। वादी व
वादी अधिवक्ता को रुक-र कर उ बार आवाज
लगावाइ गई कोई उपस्थित नहीं आया वादीगण
का वादपत्र अदम पेशवी, अदम हाजरी में इसी
तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली निगति
होकर गम्बर से कम होकर वादिल इफतर हो


स्पष्ट अधिकारी (रजिस्ट्रार)
श्री व्यपट्ट